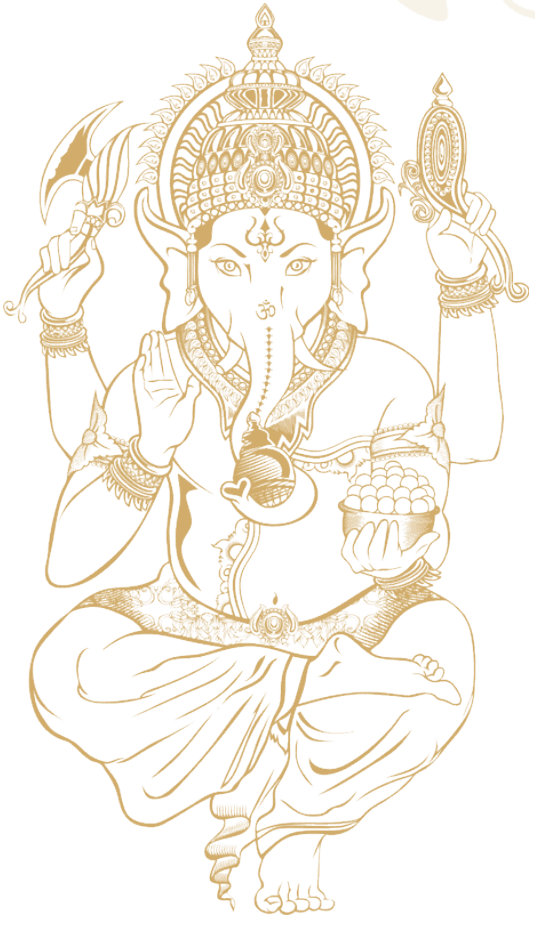

Mr. ??????

25 May 1997

04:45 PM

Karera

Model: web-freekundliweb

Order No: 121416802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/05/1997**
दिन	रविवार
जन्म समय	**16:45:00 घंटे**
इष्ट	28:11:06 घटी
स्थान	**Karera**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:27:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:07 घंटे
साम्पातिक काल	08:39:55 घंटे
सूर्योदय	05:28:33 घंटे
सूर्यास्त	19:00:21 घंटे
दिनमान	13:31:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	10:27:43 वृष
लग्न के अंश	11:56:03 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धारिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:56:03	317:10:21	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			वृष	10:27:43	00:57:36	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	19:44:43	13:59:02	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			सिंह	27:07:21	00:16:52	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
बुध			मेष	15:28:51	01:05:22	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			मक	27:44:11	00:02:56	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			वृष	24:17:18	01:13:33	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि			मीन	22:53:08	00:05:53	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	02:18:01	00:08:02	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	02:18:01	00:08:02	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	14:47:32	00:00:36	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:59:30	00:00:44	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:24:34	00:01:39	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	13:45:00	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:12

लग्न-चलित

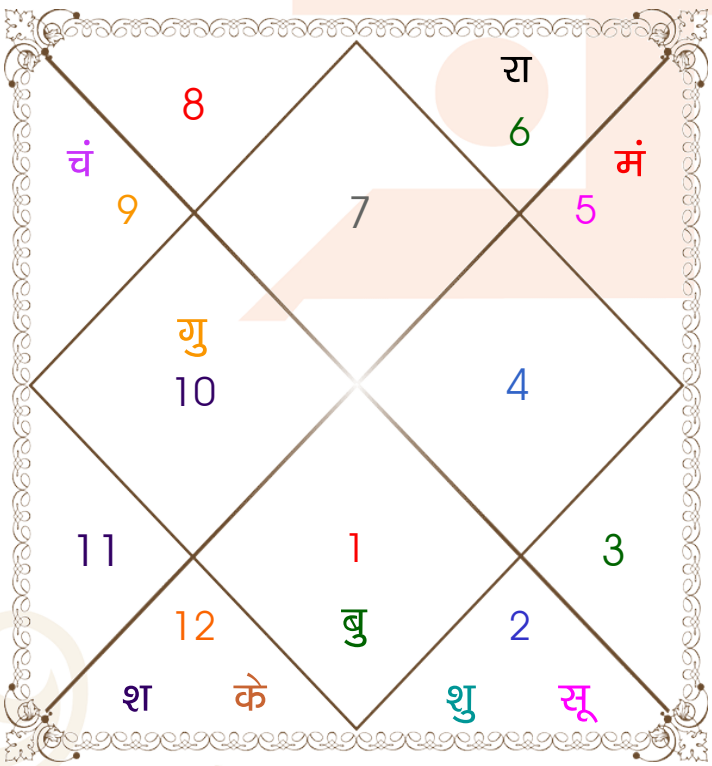

चन्द्र कुंडली

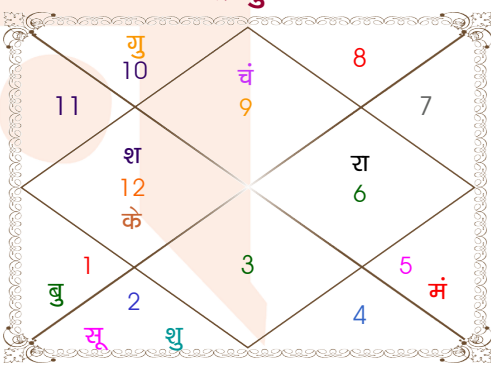

नवमांश कुंडली

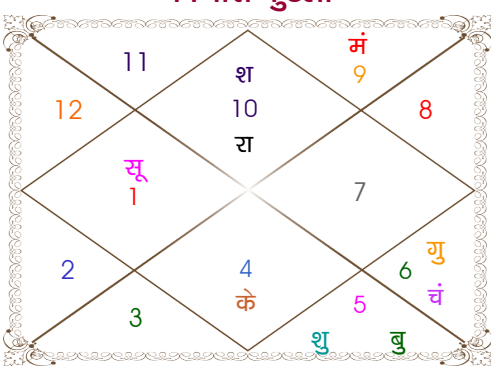

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 4 मास 17 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/05/1997		12/10/2007		12/10/2013		12/10/2023		12/10/2030	
12/10/2007		12/10/2013		12/10/2023		12/10/2030		11/10/2048	
	00/00/0000	सूर्य	30/01/2008	चंद्र	12/08/2014	मंगल	09/03/2024	राहु	24/06/2033
	00/00/0000	चंद्र	30/07/2008	मंगल	13/03/2015	राहु	28/03/2025	गुरु	18/11/2035
	00/00/0000	मंगल	05/12/2008	राहु	11/09/2016	गुरु	04/03/2026	शनि	24/09/2038
	25/05/1997	राहु	30/10/2009	गुरु	11/01/2018	शनि	13/04/2027	बुध	12/04/2041
राहु	12/12/1997	गुरु	18/08/2010	शनि	12/08/2019	बुध	09/04/2028	केतु	01/05/2042
गुरु	12/08/2000	शनि	31/07/2011	बुध	11/01/2021	केतु	05/09/2028	शुक्र	30/04/2045
शनि	12/10/2003	बुध	06/06/2012	केतु	12/08/2021	शुक्र	05/11/2029	सूर्य	25/03/2046
बुध	12/08/2006	केतु	11/10/2012	शुक्र	13/04/2023	सूर्य	13/03/2030	चंद्र	24/09/2047
केतु	12/10/2007	शुक्र	12/10/2013	सूर्य	12/10/2023	चंद्र	12/10/2030	मंगल	11/10/2048

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/10/2048		11/10/2064		12/10/2083		12/10/2100		13/10/2107	
11/10/2064		12/10/2083		12/10/2100		13/10/2107		00/00/0000	
गुरु	30/11/2050	शनि	15/10/2067	बुध	10/03/2086	केतु	11/03/2101	शुक्र	12/02/2111
शनि	12/06/2053	बुध	24/06/2070	केतु	07/03/2087	शुक्र	11/05/2102	सूर्य	12/02/2112
बुध	18/09/2055	केतु	03/08/2071	शुक्र	05/01/2090	सूर्य	16/09/2102	चंद्र	13/10/2113
केतु	24/08/2056	शुक्र	03/10/2074	सूर्य	11/11/2090	चंद्र	17/04/2103	मंगल	13/12/2114
शुक्र	25/04/2059	सूर्य	15/09/2075	चंद्र	12/04/2092	मंगल	13/09/2103	राहु	26/05/2117
सूर्य	11/02/2060	चंद्र	15/04/2077	मंगल	09/04/2093	राहु	30/09/2104		00/00/0000
चंद्र	12/06/2061	मंगल	25/05/2078	राहु	27/10/2095	गुरु	06/09/2105		00/00/0000
मंगल	19/05/2062	राहु	31/03/2081	गुरु	01/02/2098	शनि	16/10/2106		00/00/0000
राहु	11/10/2064	गुरु	12/10/2083	शनि	12/10/2100	बुध	13/10/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 4 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।